

PO / हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय, बड़कोट, (उत्तरकाशी)

Programme Outcome

( स्नातक स्तर )

PO. 1 साहित्य के सामाजिक सरोकारों की खोज

PO. 2 समतामूलक और शोषणविहीन समाज के निर्माण में साहित्य की भूमिका की समझ

PO. 3 इहलौकिकतावादी / लोकतांत्रिक/ धर्मनिरपेक्ष /वैज्ञानिक चेतना से युक्त समाज के निर्माण के लिए रचनात्मक प्रयास

PO. 4 निम्न वर्ग / निम्नमध्यवर्गीय जीवन के यथार्थ से परिचय । और उस यथार्थ को बदलने की सृजनात्मक पहल ।

PO. 5 सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना से संपन्न काव्य एवम् कथा साहित्य का अध्ययन अनुशीलन

PO. 6 स्त्री / दलित / आदिवासी प्रश्नों के प्रति संवेदनशीलता । इनके शोषण के विविध रूपों और उसके कारणों का अध्ययन । साथ ही जाति, धर्म, लिंग, भाषा और नस्ल की संकीर्णताओं से बाहर निकलने का प्रयास ।

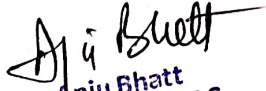
PO. 7 पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और मर्यादित विकास की दृष्टि का उन्मेष ।

PO. 8 आशावादी, भविष्यदर्शी और मनुष्यता की मुक्ति में विश्वास दिलाने वाले साहित्य का पठन पाठन और सृजन । PO. 9 इतिहास के मानवतावादी स्वरूप को साहित्य के माध्यम से समझना ।

PO. 10 निर्गुण और सूफ़ीकाव्य की समकालीन प्रासंगिकता का अनुसंधान करना । सामाजिक सद्भाव और सामाजिक- न्याय के विचार का प्रसार ।

PO. 11 'आधुनिक' के प्रत्यय और आधुनिकता और जनतंत्र के विचार का अध्ययन करते हुए स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए साहित्य और कलाओं के उत्तरदायित्व की पहचान ।

PO 12 राष्ट्रीय चेतना का साहित्य / छायावादी काव्य / निराला के काव्य की स्वाधीन चेतना / प्रेमचंद का आदर्शवादी यथार्थवाद / सामाजिक यथार्थवाद / अतिथार्थवाद / प्रगतिवाद / प्रयोगवाद

  
Dr. Anju Bhatt  
Co-ordinator, NAAC  
Rajkiya mahavidyalaya Barkot  
Uttarkashi



  
Principal  
Rajkiya mahavidyalaya Barkot  
Uttarkashi

/ नई कविता, नई कहानी / समकालीन साहित्य आदि विविध प्रकार के साहित्यांदोलनों का अध्ययन अनुशीलन, विश्लेषण और आलोचना करते हुई वर्तमान साहित्यिक वातावरण को नई दृष्टि और समझ प्रदान करिए।

PO 13 अनुवाद के महत्व को समझना। नाना ज्ञानानुशासनों में उपलब्ध विश्व की अथाह ज्ञानसंपदा को हिंदी भाषा में ले आने का प्रयास। अनुवाद और आजीविका का गहरा संबंध।

PO 14 राजभाषा के रूप में हिंदी को और अधिक समर्थ बनाने हेतु कामकाजी हिंदी / प्रयोजन मूलक हिंदी का विधिवत अध्ययन

PO 15 हिंदी भाषा में मीडिया लेखन / पत्रकारिता / सिनेमा और धारावाहिकों के लिए स्क्रिप्ट लेखन

PO 16 हिंदी में समाचार संग्रह / लेखन और समाचार वाचन और वस्तुओं तथा सेवाओं के विज्ञापन का कार्य

PO 17 प्रशासनिक / विधिकार्य संबंधित हिंदी के ज्ञान और हिंदी भाषा में कंप्यूटर के कार्य में समर्थ होने से आजीविका और सामाजिक सहयोग के नए आयाम खुलते हैं

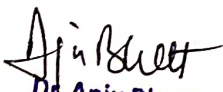
PO 18 हिंदी भाषा क्षेत्र एक बड़ा बाजार क्षेत्र भी है; अतः अनुवाद, आशुअनुवाद और दुभाषिया कर्म से आजीविका के बहुत से अवसर हैं साथ ही वस्तुओं तथा सेवाओं के विज्ञापन का कार्य भी है।

PO19 हिंदी को अंतरराज्यीय संपर्क भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित और समर्थ करने की दिशा में तथा आजीविका के एक बड़े क्षेत्र के रूप में हिंदी शिक्षण - अध्यापन का महत्व।


P 0 20 उच्चस्तर की प्रशासनिक सेवाओं तथा अधीनस्थ सेवाओं में हिंदी व्याकरण / राजभाषा / हिंदी में सरकारी गैरसरकारी पत्रलेखन / देवनागरी लिपि से संबंधित प्रश्नों का हल आसानी से करेंगे।

PO 21 साहित्यांदोलनों के अध्ययन से तत्कालीन इतिहास के अध्ययन की दृष्टि विकसित करना

PO 22 कहानी - उपन्यास / रेखाचित्र- संस्मरण-यात्रावृत्तांत / नाटक-एकांकी / जीवनी आत्मकथा के तुलनात्मक अध्ययन-से विधाओं के अंतर्संबंधों और भिन्नताओं का ज्ञान

  
Dr. Anju Bhatt  
Co-ordinator, NAAC  
Rajkiya Mahavidyalaya Barkot  
Uttarkashi



  
Principal  
Rajkiya Mahavidyalaya Barkot  
Uttarkashi